नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा

*डॉ0 संदीप कुमार श्रीवास एवं **डॉ0 मोनिका गुप्ता
*असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रो0 एच0 एन0 मिश्रा कॉलेज ऑफ एजूकेशन, कानपुर (उ0प्र0)
**प्रवक्ता (शिक्षाशास्त्र), डायट – कानपुर देहात, पुखरायां (उ0प्र0)

सारांश

अभी तक कक्षा में शिक्षा का मतलब किताबें पढ़ना, शिक्षकों का चीजें समझाने के लिए ब्लैकबोर्ड पर लिखना और छात्रों का नोट्स लिखना, इन्हीं चीजों तक सीमित था। अब नई शिक्षा नीति २०२० में शिक्षा में ऑनलाइन और अन्य डिजिटल पद्धतियों के इस्तेमाल को महत्व दिया जा रहा है, डिजिटल शिक्षा सभी संवर्गों के लिये शिक्षा का एक आनंददायक साधन है। विशेष रूप से बच्चों के सीखने के लिये यह बहुत प्रभावी माध्यम साबित हो रहा है क्योंकि मौलिक ऑडियो–वीडियो सुविधा बच्चे के मस्तिष्क में संज्ञानात्मक तत्त्वों में वृद्धि करती है, बच्चों में जागरूकता, विषय के प्रति रोचकता, उत्साह और मनोरंजन की भावना बनी रहती है। वे सामान्य की अपेक्षा अधिक तेज़ी से सीखते हैं। डिजिटल लर्निंग में शामिल INFO&TAINMENT संयोजन इसे हमारे जीवन एवं परिवेश के लिये और अधिक व्यावहारिक एवं रोचक बनाता है।

संकेत शब्द : *नई शिक्षा नीति २०२०, शिक्षा, ऑनलाइन और अन्य डिजिटल पद्धतियां।*

प्रस्तावना :–

आज सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में PPT, विडिओ प्रेजेंटेशन्स, ऑनलाइन कक्षायें, ई–लर्निंग तरीके से ऑनलाइन प्रशिक्षण और अन्य डिजिटल पद्धतियों के इस्तेमाल को महत्व दिया जा रहा है। इस वजह से कक्षा में सिखाना ज्यादा संवादात्मक (इन्टरेक्टिव) होती जा रही है। टेक्नॉलॉजी यानी सिर्फ ऑनलाइन गेम्स खेलना और एनिमेटेड वीडियोज देखना नहीं है। शिक्षा प्रभावी करने के लिए बच्चे, पालक और शिक्षक टेक्नोलॉजी किस तरह इस्तेमाल करते हैं, इस बात पर उसके फायदे निर्भर करते हैं। जब टेक्नोलॉजी शैक्षिक उद्देश्यों के लिए अच्छी तरह इस्तेमाल की जाती है, तब शिक्षा का अनुभव ज्यादा असरदार होने में मदद मिलती है और छात्र उसमें ज्यादा शामिल होते हैं। बच्चों को बुनियादी (बेसिक), चुनौती (चैलेंजर) और तेजतर्रार (एक्सलरेटर) ऐसे तीन स्तरों पर सिखाना चाहिए। उन्हें गेम्स खेलने के बजाय ज्ञान पाने के लिए इंटरनेट का उपयोग करने के लिए बढ़ावा देना चाहिए। इन दिनों ऑनलाइन के जरिए बच्चे निजी तौर पर कई बातें सीख सकते हैं। उन्हें ऑनलाइन खतरों से बचते हुए अपनी शिक्षा, समझ और हुनर विकसित करते रहना चाहिए।

डिजिटल साक्षरता के जरिए बच्चे अपने आसपास की दुनिया से बातचीत करने के लिए टेक्नोलॉजी का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करना सीख सकते हैं। साथ ही उससे उन्हें उनके लिए फायदेमंद ज्ञान के नये क्षेत्रों की जानकारी भी मिल सकती है। इसके अलावा ऐसी कई ऑनलाइन प्रतियोगिताएं होती हैं, जो बच्चों के लिए ज्ञान पाने के लिए बेहतरीन मंच होती हैं। उनमें वे सहभागी भी हो सकते हैं और बौद्धिक रूप से काफी सीख भी सकते हैं। बच्चे की जिंदगी में अहम बदलाव लाने में डिजिटल शिक्षा के कई फायदे होते हैं, जैसे मोटर स्किल्स, निर्णय क्षमता, विजुअल लर्निंग, सांस्कृतिक जागरूकता, बेहतर शैक्षिक गुणवत्ता और नई चीजों की खोज। ये सब शिक्षा को इंटरेक्टिव बनाते हैं।

इंटरनेट प्रोग्राम्स सीखते वक्त बच्चे डिजिटल विश्व को अच्छी तरह समझकर नया कुछ कर पाते हैं। आजकल के बच्चे टेक्नोलॉजी आधारित समाज में जन्मे हैं और बहुत कम उम्र में ही इंटरनेट के आदि

हो चुके हैं। पालक होने के नाते, ये हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनसे इंटरनेट के फायदे–नुकसान के बारे में बताएं, उन्हें इंटरनेट की सुरक्षित आदतें सिखाएं और उन्हें सब कुछ सुरक्षित तरीके से करने की तालीम दें। इन दिनों ऑनलाइन लेसंस होते हैं, जहां बच्चे निजी तौर पर कई चीजें सीख सकते हैं। इसके अलावा कोडिंग भी बच्चों में टेक्नोलॉजी की जादू साबित हो रही है। आज के छात्र जो सीखना चाहते हैं, उससे संबंधित टेक्स्ट सोर्स, विडिओज, पॉड कास्ट्स और प्रेजेंटेशन्स इंटरनेट के द्वारा रिसर्च करके ढूंढ़ निकालना जानते हैं। स्कूलों के छात्र और शिक्षकों के लिए कक्षाएं इंटरनेट से जोड़नी चाहिए, उनके पास जानकारी तथा सिखाने और सीखने के रिसोर्सेज की आसान और सस्ती उपलब्धता होनी चाहिए।

सीखना बुनियादी तौर से एक सामाजिक गतिविधि है। इसीलिए बच्चों को ऑनलाइन नेटवर्क से जुड़ने से रोकने के बजाय हमने उन्हें सुरक्षा के साथ सीखने के लिए प्रोत्सहित करना चाहिए। डिजिटल शिक्षा अब हमारे जीवन का एक अंग बन चुकी है। अगर हम डिजिटल लर्निंग चाहते हैं, तो हमें अपने स्कूलों और शिक्षकों को उचित रूप से इंटरनेट संसाधनों के साथ तैयार करना जरूरी है।

ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा और अध्यापक

नई शिक्षा नीति २०२० में प्रोद्योगिकी की चुनौतियो को स्वीकार किया गया है इस नीति में ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा की हानियों को कम करते हुए इसके लाभ उठाने पर बल दिया गया है इसमें बताया गया है कि पारम्परिक शिक्षा के अध्यापको को प्रभावशाली ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा प्रशिक्षक बनने के लिए उनको उपयुक्त प्रशिक्षण देकर उनका व्यवसायिक उन्नयन करना होगा, जिससे वे पारम्परिक शिक्षा के साथ साथ ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा के अच्छे अध्यापक बन सकते है ५

नई शिक्षा नीति २०२० में ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा की सिफारशें –

- ***ऑनलाइन शिक्षा के लिए पायलट अध्ययन***

ऑनलाइन शिक्षा की हानियों को कम करते हुए उसे शिक्षा के साथ एकीकृत करने के लाभों का मूल्यांकन करने के लिए और छात्रों को उपकरणों की आदत ही कंटेंट का सबसे पसंदीदा प्रारूप आदि जैसे संबंधित विषयों का अध्ययन करने के लिए भी इसके साथ–साथ प्रमुख अध्ययन संचालित करने के लिए एनआईटीएफ सीआईटी एनआईओएस इग्नू आईआईटी एनआईटी आदि जैसी उपयुक्त एजेंसियों की पहचान की जाएगी इन पायलट अध्ययनों के परिणामों को सार्वजनिक रूप से सूचित किया जाएगा और निरंतर सुधार के लिए इनका उपयोग किया जाएगा।

- ***डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर***

भारत के क्षेत्रफल विविधता जटिलता और डिवाइस अर्थबोध को हल करने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में खुले परस्पर विकसित सार्वजनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करने की आवश्यकता है जिसका उपयोग कई प्लेटफार्म हो और प्वाइंट सॉल्यूशंस द्वारा किया जा सकता है इससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रौद्योगिकी आधारित समाधान प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति के साथ पुराने ना हो जाए।

- ***ऑनलाइन शिक्षण मंच और उपकरण***

शिक्षार्थियों की प्रगति की निगरानी के लिए शिक्षकों को सहायक उपकरण के एक संरक्षित उपयोगकर्ता अनुकूल विकसित सेट प्रदान करने के लिए स्वयं दीक्षा जैसे उपयुक्त मौजूदा ई लर्निंग प्लेटफॉर्म का विस्तार किया जाएगा वर्तमान महामारी ने स्पष्ट कर दिया है कि ऑनलाइन कक्षाओं के आयोजन के लिए दो तरफा वीडियो और दो तरफा ऑडियो इंटरफ़ेस जैसे उपकरण एक वास्तविक आवश्यकता है

- *सामग्री निर्माण डिजिटल रिपोजिटरी और प्रसार*

कोर्स वर्क लर्निंग गेम्स और सिमुलेशन ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी के निर्माण सहित कंटेंट की एक डिजिटल रिपोजिटरी विकसित की जाएगी जिसमें प्रतिभा शीलता और गुणवत्ता के लिए उपयोगकर्ताओं द्वारा रेटिंग करने के लिए एक स्पष्ट सार्वजनिक प्रणाली होगी छात्रों के लिए मनोरंजन आधारित अधिगम हेतु उपयुक्त उपकरण जैसे ऐप स्पष्ट संचालन निर्देश के साथ कई भाषाओं में भारतीय कला और संस्कृति का एकीकरण आदि भी बनाए जाएंगे छात्रों को की सामग्री का प्रसार करने के लिए एक विश्वसनीय बैकअप तंत्र प्रदान किया जाएगा।

- *डिजिटल अंतर को कम करना*

इस तथ्य को देखते हुए कि अभी भी जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा ऐसा है जिसकी डिजिटल पहुंच अत्यधिक सीमित है मौजूदा जनसंचार माध्यम जैसे टेलीविजन रेडियो और सामुदायिक रेडियो का उपयोग टेलीकास्ट और प्रसारण के लिए बड़े पैमाने पर किया जाएगा इस तरह के शैक्षिक कार्यक्रमों को छात्रों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न भाषाओं में 24/7 उपलब्ध कराया जाएगा सभी भारतीय भाषाओं में सामग्री पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और इस पर विशेष बल दिया जाएगा कि जहां तक संभव हो शिक्षकों और छात्रों तक डिजिटल सामग्री उनकी सीखने की भाषा में पहुंचे।

- *वर्चुअल लैब्स*

वर्चुअल लैब बनाने के लिए दीक्षा स्वयं और स्वयं प्रभा जैसे मौजूदा ई लर्निंग प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाएगा ताकि सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण व्यवहारिक और प्रयोग आधारित अनुभव का समान अवसर प्राप्त हो एस ई डी जी जी छात्रों और शिक्षकों को पहले से लोड की गई सामग्री वाले टेबलेट कैसे उपयुक्त डिजिटल उपकरण पर्याप्त रूप से देने की संभावना पर विचार किया जाएगा और उन्हें विकसित किया जाएगा।

- *शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण और प्रोत्साहन*

शिक्षकों को शिक्षार्थी केंद्रित अध्यापन में यह प्रशिक्षण दिया जाएगा और यह भी बताया जाएगा कि वह ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्म और उपकरणों का उपयोग करके उच्चतर गुणवत्ता वाली ऑनलाइन सामग्री का स्वयं श्रजन करेंगे सामग्री के साथ–साथ छात्रों में आपसी सहयोग स्थापित करने के लिए शिक्षक की भूमिका पर जोर दिया जाएगा।

- *ऑनलाइन मूल्यांकन और परीक्षाएं*

उपयुक्त निकाय जैसे कि प्रस्तावित राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र अथवा परक स्कूल बोर्ड एंटीए और अन्य चिन्हित निकाय मूल्यांकन रूप रेखाओं का निर्धारण करेंगे और कार्यान्वित करेंगे जिसमें दक्षताओं पोर्टफोलियो रुब्रिक्स मानकीकृत मूल्यांकन और मूल्यांकन विश्लेषण के डिजाइन शामिल होंगे 21वीं सदी के कौशल पर ध्यान केंद्रित करते हुए शिक्षा प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर मूल्यांकन के नए तरीकों का अध्ययन किया जाएगा।

- *सीखने के मिश्रित मॉडल*

डिजिटल शिक्षा व शिक्षण को बढ़ावा देने के साथ ही परंपरागत व्यक्तिगत रूप से आमने सामने सीखने के महत्व को भी पूरी तरह से स्वीकार किया जाता है तदनुसार विभिन्न विषयों के लिए सीखने के विभिन्न मिश्रित प्रभावी मॉडल उपयुक्त प्रतिकृति के लिए चिन्हित किए जाएंगे।

- *मानको को पूरा करना*

जैसे–जैसे ऑनलाइन/ डिजिटल शिक्षा पर शोध सामने आ रहे हैं एनटीटीएफ और अन्य उपयुक्त निकाय ऑनलाइन/ डिजिटल शिक्षा शिक्षण के लिए सामग्री प्रौद्योगिकी और शिक्षाशास्त्र के मानक स्थापित करेंगे यह मानक राज्य बोर्डों स्कूलों और स्कूल परिसरों उच्चतर शिक्षण संस्थानों आदि द्वारा ई लर्निंग के लिए दिशानिर्देश तैयार करने में मदद करेंगे।

ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा व MHRD की पहलें–

- DIKSHA मंच, स्वंय प्रभा टीवी चौनल, ऑन एयर–शिक्षा वाणी, ई–पाठशाला और टीवी चौनलों के प्रसारणों के माध्यम से शिक्षकों, विद्वानों और छात्रों की सहायता के लिये कई परियोजनाओं की शुरुआत की गई है।
- इसके अलावा डिजिटल शिक्षा पर 'PRAGYATA' नामक दिशा–निर्देश भी जारी किये हैं।
- MHRD ने ***मनोदर्पण पहल*** की भी शुरुआत की है। इसका उद्देश्य कोविड–19 महामारी के दौरान छात्रों, परिवार के सदस्यों और शिक्षकों को उनके मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिये मनोसामाजिक सहायता प्रदान करना है।

ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा पर राज्य सरकारों की पहलें–

- राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने विभिन्न पहलों के माध्यम से छात्रों को घर बैठे डिजिटल शिक्षा की सुविधा प्रदान की है। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं–
- सोशल मीडिया इंटरफेस फॉर लर्निंग एंगेज़मेंट (Social Media Interface for Learning Engagement& SMILE) - **राजस्थान**
- प्रोजेक्ट होम क्लासेस (Project Home Classes)– **जम्मू**
- पढाई तोहार द्वार– **छत्तीसगढ़**
- उन्नयन पहल– **बिहार**
- मिशन बुनियाद (Mission Buniyaad)– **NCT दिल्ली**
- **केरल** का अपना शैक्षिक टीवी चौनल– काइट विक्टर्स (KITE VICTERS)
- ई–स्कोलर पोर्टल (E-scholar Portal) और शिक्षकों के लिये मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम– **मेघालय**
- UP Higher Education Digital Library शिक्षकों व विद्यार्थियों के लिये मुफ्त ऑनलाइन शिक्षण सामाग्री – उत्तर प्रदेश
- कुछ राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों जैसे– लक्षद्वीप, नगालैंड और जम्मू–कश्मीर ने छात्रों को ई–सामग्री से युक्त (E-contents Equipped) टैबलेट, DVD और पेनड्राइव वितरण जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई हैं।
- इसके अलावा कई राज्यों द्वारा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को महत्त्व देते हुए कुछ विशिष्ट कक्षाएँ, जैसे– दिल्ली में हेप्पीनेस (Happiness) कक्षाएँ भी संचालित की गई हैं।

वर्तमान में ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा –

वर्तमान में ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा का दायरा बढता जा रहा है, इसका उदाहरण Covid-19 के दौरान देखने को मिला है, जब शिक्षण संस्थान बंद रहे तब सोशल मीडिया टूल्स जैसे– व्हाट्सएप

ग्रुप, यूट्यूब चौनल के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएँ और छात्रों से जुड़ने के लिये गूगल मीट (Google Meet), जूम (Zoom), Microsoft team का प्रयोग किया गया और किया भी जा रहा है।

सार –

आज कोविड–19 महामारी के दौरान नई शिक्षा नीति 2020 घर पर बच्चों के लिये सुलभ और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने तथा सीखने के अंतराल को कम करने के लिये तथा आने वाले समय में MHRD द्वारा अपनाई गई अभिनव विधियों को संदर्भित करती है। यह रिपोर्ट देश भर में क्रॉस–लर्निंग (Cross Learning) अर्थात् अध्ययन के साथ–साथ प्रशिक्षण भी,, सीखने और शिक्षा से जुड़ी सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के उद्देश्य को पूरा इंगित करेगी। चूँकि भारत की शिक्षा प्रणाली ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से मिश्रित शिक्षा की ओर बढ़ रही है, ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में सभी हितधारकों को यह प्रयास करना होगा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच से कोई भी छात्र अछूता न रहे।

सन्दर्भ सूची –

दृष्टि. (2020 Sep 04) . *भारत में डिजिटल शिक्षा.* Retrieved from https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-editorials/digital-education-in-india

दृष्टि. (2020 Jul 30) . *डिजिटल शिक्षा पर भारत रिपोर्ट* Retrieved from https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/india-report-on-digital-education-2020

डी डी न्यूज़. (aug 2020 13) . *नई शिक्षा नीति 2020 में ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा पर जोर.* Retrieved from http://ddnews.gov.in/hi/national/new-education-policy-mhrd-human-resource-developmen-mphasis-on-unlimited-and-digital-educationA4

सक्सेना . (Sep 2020 3) . पी , *नैतिक एवं डिजिटल शिक्षा द्वारा समता एवं विकास की ओर अग्रसर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020.* Retrieved from https://bachpanexpress.com/higher-education/-580636–2020

एम.एच.आर.डी. (2020). *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020.* मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली.

How to cite reference of this paper-

Shrivas, S. K., & Gupta, M. (2022). नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा. *Educational Metamorphosis 1*(1), 29-33.